

घटना घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...



www.ghatatighatana.com

अम्बिकापुर,तर्ष 22, अंक - 329- गुरुवार 01- अक्टूबर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050, डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

सक्षिप्त समाचार

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद...



इंफाल,30 सितम्बर 2026। मणिपुर के बिष्णुपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर बुधवार को भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद करने के साथ ही एक वाहन को गिरफ्तार किया है। जबकि, एक महिला के खिलाफ अश्लील एवं अपमानजनक टिप्पणी करने वाले को भी गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार,खोरदक इलाके और उसके आस-पास हथियार और अन्य सामान छिपाकर रखे जाने की जानकारी मिलने पर, बिष्णुपुर जिला पुलिस और सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने आज घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान केइबुल लमजाओ पुलिस स्टेशन के तहत फरिस्ट ब्रीट ऑफिस के पास खोरदक पैटन से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया। बरामद सामानों में मुख्य रूप से एक एमपी-5 हथियार मैगजीन के साथ (देसी),दो लाठीचढ़ गन (देसी),चार 36 हैंड ग्रेनेड,एक ड्रोन बम (देसी),छह आईईडी,अलग-अलग हथियारों की पांच मैगजीन एवं अलग-अलग कैलिबर के कारतूस/राउंड और अन्य विविध सामान बरामद हुए। हालांकि,इस संबंध में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस आगे की जांच जारी रखे हुए है। वहीं एक अन्य अभियान में आज लिलोंग पुलिस स्टेशन को एक टीम ने लिलोंग,चाओबाक मैरेनखुन के निवासी मोहम्मद मुस्तकीम (21) नामक एक वाहन चोर को उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी की गई एक एक्विटा डीएलएक्स (नीले मैटेलिक रंग की, रजिस्ट्रेशन नंबर एमएन-01एएन-9328) भी बरामद की गई। यह गाड़ी नॉर्थ एओसी, इंफाल से चोरी हुई थी। इस बीच साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन,मणिपुर ने फेसबुक पर एक महिला के खिलाफ अश्लील और अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान,आरोपी पाओनम धनेश्वर (58, इंफाल ईस्ट) को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच चल रही है। पुलिस ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसा कोई भी अश्लील या आपत्तिजनक कंटेंट पोस्ट या शेयर न करें जिससे किसी व्यक्ति को परेशानी हो,अपमानित होना पड़े या उनकी गरिमा और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचे।

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर बस और ट्रक की टक्कर,5 लोगों की मौत



सूरत/आणंद,30 सितम्बर 2026। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर आणंद और नडियाद के बीच बुधवार तड़के साई दर्शन ट्रेवल्स की बस और ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में बस में सवार पांच लोगों की मौत हो गई,जबकि पांच अन्य घायल बताए गए हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,साई दर्शन ट्रेवल्स की निजी लज्जरी बस सूरत से राजस्थान जा रही थी। बुधवार तड़के करीब 3:30 से 4 बजे के बीच बस आणंद से नडियाद की ओर जा रही थी,तभी उसकी ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के समय अधिकांश यात्री सो रहे थे। अचानक हुए धमाके से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग बस के भीतर फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस तथा 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया,जहां उनका उपचार चल रहा है।

केंद्र ने उत्तर प्रदेश,कर्नाटक और तेलंगाना में 5,548 करोड़ की दलहन-तिलहन खरीद को दी मंजूरी...

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2026। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ विपणन सीजन 2026-27 के लिए किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में दलहन एवं तिलहन की 5,547.99 करोड़ रुपये की उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद को मंजूरी दी है। सरकार के मुताबिक, इसका उद्देश्य बाजार भाव गिरने की स्थिति में किसानों को आर्थिक सुरक्षा देना और उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करना है। बुधवार को फैसले की जानकारी देते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों के कल्याण, उनकी आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिले और खरीद व्यवस्था पारदर्शी एवं सुगम हो।

उत्तर प्रदेश में 3,992.57 करोड़ की खरीद : केंद्र सरकार की ओर से उत्तर प्रदेश में 3,992.57 करोड़ रुपये की खरीद को मंजूरी दी गई है। इसमें 4.66 लाख मीट्रिक टन तुअर की 3,937.70 करोड़ रुपये और 6,250 मीट्रिक टन मूंग की 54.87 करोड़ रुपये की खरीद शामिल है।



कर्नाटक में 1,107 करोड़ की खरीद

कर्नाटक में दलहन एवं तिलहन किसानों से 1,107 करोड़ रुपये की उपज खरीदी जाएगी। इसमें 1.15 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन की 659.27 करोड़ रुपये, 38,250 मीट्रिक टन मूंग की 335.83 करोड़ रुपये और 13,413 मीट्रिक टन सूरजमुखी की 111.90 करोड़ रुपये की खरीद शामिल है।

तेलंगाना में 448.42 करोड़ की खरीद

तेलंगाना में 448.42 करोड़ रुपये की खरीद को मंजूरी मिली है। इसके तहत 62,000 मीट्रिक टन सोयाबीन की 353.90 करोड़ रुपये और 10,766 मीट्रिक टन मूंग की 94.52 करोड़ रुपये की खरीद एमएसपी पर की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस फैसले से किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिलने के साथ देश में दलहन और तिलहन के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इससे दाल और खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भी मदद मिलेगी।

इंडी गठबंधन की बैठक में फैसला...एसआईआर,ईवीएम और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने पर सहमति

19 विपक्षी दलों का 2-8 अक्टूबर तक देशभर में प्रदर्शन,6 अक्टूबर को चुनाव आयोग घेरेंगे

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2026। विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन ने चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का फैसला किया है। गठबंधन के घटक दल 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में मार्च निकालेंगे। 06 अक्टूबर को विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। गठबंधन ने ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग भी की। यहां बुधवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडी गठबंधन की आठवीं बैठक करीब तीन घंटे तक चली। बैठक में एसआईआर, ईवीएम-वीवीएट,मतदाता सूची और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस,समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस,राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट),शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट),राष्ट्रीय जनता दल,माकपा,भाकपा, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस,पीडीपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा,भाकपा (माले), इंडियन यूनिनियन मुस्लिम लीग,केरल कांग्रेस (एम),एमडीएमके,वीसीके, आरएसपी, केरल कांग्रेस (जे) और अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक सहित 20 विपक्षी राजनीतिक दल शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्रकार वार्ता में कहा कि गठबंधन के सभी दल इन



ममता बनर्जी बोलीं...ज्ञानेश कुमार चोर-डाकू है...

ममता बनर्जी ने कहा...बीजेपी ने वोट चोरी करके बंगाल में लूट की,एमपी,हरियाणा,बिहार छत्तीसगढ़ में जीते। ज्ञानेश कुमार चोर-डाकू है। वोट चोरी किया,ईवीएम मशीन जला दी। ईवीएम मशीन हैक की। ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना चाहिए।

खरगे ने कहा...सड़क पर उतरेंगे विपक्ष

खरगे ने बताया कि बैठक 3 घंटे चली। 20 दल शामिल हुए। चुनाव आयोग कठपुतली की तरह काम कर रहा है। इसके खिलाफ 20 विपक्षी दल मिलकर छह अक्टूबर से हर जिले में 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' करेंगे।

खरगे ने कहा...मोदी-शाह वोट चोरी करवा रहे हैं...

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा...मोदी-शाह चुनाव आयोग को कठपुतली की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। ये चोरी करवा रहे हैं और चोरी करके इलेक्शन जीत रहे हैं। जहां भी हमारे नेता न्यायपूर्ण लड़ाई लड़ रहे हैं,लोकतंत्र और युवाओं के लिए,ये उन्हें भी तंग कर रहे हैं।

मुद्दों पर मिलकर लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने चुनाव आयोग को कठपुतली बना दिया है और भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट

8 अक्टूबर तक देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' निकालेंगे। 6 अक्टूबर को सभी विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। साथ ही विपक्षी नेता अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगेंगे। वे राष्ट्रपति को चुनाव प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों की जानकारी देंगे। इसके बाद अक्टूबर-नवंबर में पांच बड़ी रैलियां भी आयोजित की जाएंगी। इनके स्थान और तारीखों का फैसला बाद में होगा। दिल्ली में एक बड़ी रैली 1 नवंबर को आयोजित की जाएगी। खरगे ने विपक्षी दलों के लिए छह मांगें भी रखीं। इसमें भविष्य के चुनावों में एसआईआर से पहले की मतदाता सूची का इस्तेमाल,मतदाता सूची में हर बदलाव की पूरी पारदर्शिता, किसी नाम को हटाने से पहले सूचना और अपील का अधिकार,पात्र मतदाताओं को प्रशासनिक कारणों से बाहर किए जाने से सुरक्षा, ईवीएम के बजाय बैलेट से मतदान और

राहुल गांधी ने कहा...भाजपा ने लोकतंत्र पर कब्जा कर लिया

राहुल गांधी ने कहा...हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही। बीजेपी,अमित शाह, पीएम मोदी और ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र पर हमला कर रहे हैं। बीजेपी, पीएम मोदी, अमित शाह और ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र पर कब्जा कर लिया है। हम इसे चुपचाप बदलत नहीं करेंगे। हम यह पक्का करेंगे कि लोकतंत्र को बर्बाद करने वालों को सजा मिले। भारतीय लोकतंत्र किसी एक व्यक्ति से बड़ा है। हम एक गठबंधन हैं और देश में बड़े बदलाव लाएंगे।

युवाओं के लिए सरल मतदाता पंजीकरण शामिल है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में बदलाव की पूरी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए।

एसआईआर से पहले की मतदाता सूची को भविष्य के चुनावों में इस्तेमाल करने की मांग भी उन्होंने रखी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम हटाने से पहले उसे सूचना दी जानी चाहिए। नाम हटाने का कारण बताया जाना चाहिए। उसे प्रभावी अपील का अवसर भी मिलना चाहिए।

अरब सागर में 3000 करोड़ की ड्रग्स जब्त,पांच पाकिस्तानी गिरफ्तार



नई दिल्ली,30 सितम्बर 2026। अरब सागर में लक्षद्वीप के पास भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) और गुजरात एटीएस ने संयुक्त अभियान में बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान संधिध ईरानी नाव से करीब 526 किलोग्राम हेरोइन और मेथामफेटामाइन बरामद की गई। जब्त ड्रग्स की अनुमानित बाजार कीमत 3,000 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया है। भारतीय तटरक्षक बल के अनुसार, गुजरात एटीएस और केंद्रीय खुफिया एजेंसी के साथ मिलकर खुफिया जानकारी पर किए गए संयुक्त अभियान में भारतीय तटरक्षक बल की यूनिट्स ने लक्षद्वीप के पश्चिम में अरब सागर में एक संधिध ईरानी नाव को रोका। नाव की पहचान करने और लगातार निगरानी व पीछा करने के बाद तटरक्षक बल की टीम ने उस पर चढ़कर तलाशी ली। इस दौरान 526 किलोग्राम हेरोइन और मेथामफेटामाइन जब्त की गई, जिसकी कीमत 3,000 करोड़ से ज्यादा है। साथ ही, नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी क्रू सदस्यों को भी पकड़ा गया। पकड़ी गई नाव और उसके क्रू को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई लाया गया है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि इसकी यह खेप समुद्री रास्ते से लक्षद्वीप होते हुए मुंबई पहुंचाई जानी थी। संयुक्त कार्रवाई में इसे गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही पकड़ लिया गया। फिलहाल एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि ड्रग्स की खेप कहां से आई थी, इसे किसे सीपा जाना था और इसके पीछे कौन-सा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क सक्रिय है। समुद्री मार्ग से होने वाली मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े अन्य संभावित लोगों और नेटवर्क को भी जांच की जा रही है।

पंजाब में नशे के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी भाजपा : अमित शाह

31 दिसंबर 2029 के बाद नहीं रहेगा कोई भी नशे का कारोबारी : अमित शाह-गृहमंत्री ने कहा-नशों के कारोबार को बढ़ावा देने वाले नहीं बना सकते पंजाब को नशा मुक्त



चंडीगढ़,30 सितम्बर 2026। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को जालंधर में 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' के समापन अवसर पर आयोजित जनसभा में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव नशे के मुद्दे पर लड़ेगी। उन्होंने कहा कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है तो 31 दिसंबर 2029 तक राज्य को पूरी तरह नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। अमित शाह ने आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार पर पंजाब में नशे की समस्या को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग नशे के कारोबार को रोक नहीं सकते, वे पंजाब को नशामुक्त नहीं कर सकते। केंद्रीय गृहमंत्री ने दिल्ली के कथित शराब घोटाले का उल्लेख करते हुए भी आआपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार को बढ़ावा देने वालों से पंजाब को नशामुक्त करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। गृहमंत्री ने पंजाब के जवानों और किसानों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य के सैनिक देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और किसानों ने देश के अन्न भंडार को भरने में बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब सरकार ने किसानों को 26 फसलों पर एमएसपी देने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर किसानों से जुड़े मुद्दों का स्थायी

समाधान करने की दिशा में काम किया जाएगा। अमित शाह ने युवाओं में नशे की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि नशे के कारण किसी होनहार युवा को असमर्थ मौत बेहद दुखद है। उन्होंने युवाओं से भाजपा को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें नशे के दलदल से निकालने के साथ रोजगार के उचित अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में पंजाब सरकार ने एंटी-ड्रग्स से संबंधित एक भी बैठक नहीं की। जालंधर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) का कार्यालय खोलने के केंद्र के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने ठुकरा दिया। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा को भी गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर इसे प्राथमिकता दी जाएगी। गृहमंत्री ने पंजाब सरकार पर कथित विज्ञापन आवंटन, भूमि और पोषण आहार से जुड़े मामलों को लेकर भी निशाना साधा।

सम्पादक



दैनिक घटती-घटना की लगातार खबरों के बाद आयुर्वेद परिषद चुनाव पर बड़ा फैसला, मतगणना स्थगित...

डाक मतपत्रों की गोपनीयता और चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों के बीच जांच समिति सक्रिय,प्रारंभिक राय में निर्वाचन नियमावली के विरुद्ध प्रतीत हुआ मामला

आयुर्वेद परिषद चुनाव में बड़ा मोड़: मतगणना स्थगित,जांच समिति ने उठाए नियमों पर सवाल...

डाक मतपत्रों की गोपनीयता से NOC सत्यापन तक शिकायतों,जांच समिति की प्रारंभिक राय...‘प्रथम दृष्टया निर्वाचन नियमावली के विरुद्ध प्रतीत हो रहा मामला’

खबरों के बाद परिषद चुनाव पर रोक, मतगणना स्थगित,जांच में नियमों के उल्लंघन का प्रथमदृष्टया संकेत

डाक मतपत्रों पर उठे सवाल,अब मतगणना पर रोक,आयुर्वेद परिषद चुनाव जांच के घेरे में...

आयुर्वेद परिषद चुनाव की मतगणना रूखी,जांच समिति की रिपोर्ट में नियमावली पर गंभीर सवाल...

शिकायतों ने रोकी परिषद चुनाव की मतगणना,जांच समिति बोली— प्रथमदृष्टया नियमावली के विरुद्ध

—न्यूज डेस्क—

अंबिकापुर/रायपुर,30 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।



प्रक्रिया के अनुसार प्राप्त और सत्यापित हुई थी या नहीं, इसी तरह मतपत्रों पर मतदाता क्रमांक की मौजूदगी और उसके प्रभाव से जुड़े सवाल भी जांच के दायरे में हैं।

‘इलाज करने वाले डॉक्टरों के चुनाव का इलाज कौन करेगा?’ से मतगणना रोकने तक-परिषद चुनाव को लेकर दैनिक घटती-घटना ने अपने समाचारों में सवाल उठाया था इलाज करने वाले डॉक्टरों के चुनाव का इलाज कौन करेगा? उस समय यह सवाल चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और व्यवस्था पर उठाए जा रहे सवालों के संदर्भ में सामने आया था, अब विभागीय जांच और मतगणना स्थगित होने के बाद वही चुनाव प्रक्रिया स्वयं जांच के दायरे में आ गई है,हालांकि किसी भी शिकायत अथवा मीडिया रिपोर्ट को अंतिम निष्कर्ष नहीं माना जा सकता,इस मामले में अंतिम स्थिति जांच समिति की पूरी रिपोर्ट और उसके आधार पर शासन द्वारा लिए जाने वाले निर्णय से ही स्पष्ट होगा।

अब अंतिम जांच रिपोर्ट पर टिकी निगाह—मतगणना स्थगित होने के बाद सबसे बड़ा सवाल अब यह है कि अंतिम जांच रिपोर्ट में क्या निष्कर्ष सामने आता है, क्या शिकायतों में लगाए गए आरोप दस्तावेजों से प्रमाणित होते हैं? क्या चुनाव प्रक्रिया में वास्तव में निर्वाचन नियमावली का उल्लंघन हुआ? क्या डाक मतपत्रों के रखरखाव और गोपनीयता में निर्धारित प्रक्रिया का पालन हुआ? क्या एनओसी का सत्यापन नियमानुसार किया गया? और मतपत्रों से मतदाता क्रमांक हटाने तथा उनके सुरक्षित संग्रहण की प्रक्रिया में कोई खामी रही? इन सभी सवालों का जवाब अंतिम जांच के बाद ही सामने आएगा।

अब आगे क्या?—फिलहाल विभाग ने मतगणना पर रोक लगा दी है,लेकिन निर्वाचन को रद्द करने अथवा पूरी प्रक्रिया को दोबारा कराने संबंधी कोई अंतिम निर्णय इस आदेश से स्वतः सिद्ध नहीं होता,आगे की कार्रवाई जांच समिति की अंतिम रिपोर्ट और सक्षम स्तर पर लिए जाने वाले निर्णय पर निर्भर करेगी,इस पूरे घटनाक्रम में एक बात स्पष्ट है कि परिषद चुनाव से जुड़ी शिकायतें अब केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहें,बल्कि विभागीय जांच और औपचारिक प्रशासनिक कार्रवाई के स्तर तक पहुंच चुकी हैं,दैनिक घटती-घटना द्वारा प्रकाशित खबरों के बाद शिकायतों, प्रत्यारोपों और विभागीय जांच की प्रक्रिया सामने आई और अब मतगणना भी रोक दी गई है,हालांकि इसे सीधे तौर पर केवल समाचार प्रकाशन का परिणाम बताने के बजाय घटनाक्रम के क्रम में देखा जाना अधिक उचित होगा,अंतिम जांच रिपोर्ट ही यह तय करेगी कि शिकायतों में उठाए गए सवालों में कितनी वास्तविकता थी और परिषद निर्वाचन की आगे की प्रक्रिया किस दिशा में जाएगी।

आज भारतेन्दु भवन में गूँजेगी रहीम की वाणी, ‘रहिमन धागा प्रेम का’ कार्यक्रम

—संवाददाता—

अम्बिकापुर,30 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

नगर की साहित्यिक संस्था सरगुजा हिंदी साहित्य परिषद द्वारा भक्त कवि रहीम की साहित्यिक विरासत पर केंद्रित कार्यक्रम ‘रहिमन धागा प्रेम का...’ का आयोजन आज शाम 6:30 बजे स्थानीय भारतेन्दु भवन में किया जाएगा। कार्यक्रम में नगर के प्रबुद्ध साहित्यकार भक्त कवि रहीम के व्यक्तित्व,कृतित्व और उनकी रचनाओं में निहित प्रेम,मानवीय संवेदना तथा जीवन-दर्शन पर विचार व्यक्त करेंगे। इस दौरान रहीम के प्रसिद्ध दोहों और अन्य रचनाओं का संस्वर पाठ भी किया जाएगा। रहीम की रचनाएं आज भी मानवीय रिश्तों,प्रेम, विनम्रता और जीवन मूल्यों की सहज अभिव्यक्ति के लिए जानी जाती हैं। इसी साहित्यिक चेतना को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से परिषद द्वारा यह आयोजन किया जा रहा है। सरगुजा हिंदी साहित्य परिषद के सचिव रमेश द्विवेदी ने साहित्यप्रेमियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर साहित्यिक आयोजन का हिस्सा बनने की अपील की है।

ज्वेलरी शॉप का ताला तोड़कर चांदी के जेवर पार

नावापारा में रात को हुई चोरी,डॉंग स्क्वायड दुकान से अबेडकर चौक तक पहुंचा,पुलिस जांच में जुटी

—संवाददाता—

अम्बिकापुर,30 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शहर के नावापारा स्थित एक ज्वेलरी शॉप में चोरों ने ताला तोड़कर करीब 700 ग्राम चांदी के जेवर और आर्टिफिशियल ज्वेलरी पार कर दी। चोरी की जानकारी बुधवार सुबह दुकान खोलने पहुंची संचालिका को हुई। सूचना पर गांधी नगर पुलिस और डॉंग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

नावापारा निवासी निधि सोनी अपने घर में ही श्याम जी ज्वेलर्स नाम से दुकान संचालित करती हैं। मंगलवार रात दुकान बंद करने के बाद वह परिवार के साथ ऊपर मंजिल पर चली गई थी। खाना खाने के बाद सभी सो गए। बुधवार सुबह निधि सोनी नीचे दुकान का दरवाजा खोलने पहुंचीं तो ताला टूटा मिला। दुकान के अंदर सामान बिखरा हुआ था। कार्टेडर में रखे करीब 700 ग्राम चांदी के जेवर और आर्टिफिशियल ज्वेलरी गायब थी। चोरी गए जेवरों में चांदी के ब्रेसलेट सहित अन्य आभूषण शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चोरी गए सामान की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। दुकान संचालिका ने मामले की सूचना गांधी नगर पुलिस को दी।

डॉंग स्क्वायड अबेडकर चौक तक पहुंचा : सूचना मिलते ही पुलिस टीम के साथ डॉंग स्क्वायड मौके पर पहुंचा। खोजी कुत्ता दुकान के बगल से होते हुए सड़क पर पहुंचा और गली के रास्ते अबेडकर चौक तक गया। इसके बाद वह आगे नहीं जा सका। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। मामले में संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

हर दिन घर ले जाती थीं महंगे जेवर : दुकान संचालिका के अनुसार वह रोजाना सोने-चांदी के महंगे जेवर दुकान से ऊपर स्थित घर में ले जाती थीं। घटना वाले दिन भी वह सोने-चांदी के जेवर साथ लेकर ऊपर चली गई थीं। दुकान में मुख्य रूप से चांदी के ब्रेसलेट व अन्य आभूषण रखे थे,जिन्हें चोर ले गए।

प्रतिबंध के बावजूद रेत-गिट्टी का अवैध परिवहन,चार वाहन जब्त...

—संवाददाता—

अम्बिकापुर,30 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

प्रतिबंध के बावजूद रेत और गिट्टी का अवैध रूप से परिवहन करने वालों के खिलाफ खनिज विभाग ने कार्रवाई की है। विभागीय टीम ने मंगलवार को अम्बिकापुर और आसपास के क्षेत्रों में जांच के दौरान बिना वैध दस्तावेज और अनुमति के खनिज परिवहन करते चार वाहनों को पकड़ा। जांच के दौरान तीन टिपर में रेत और एक वाहन में गिट्टी का परिवहन किया जा रहा था। वाहन चालकों के पास खनिज परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज और अनुमति नहीं मिली। इसके बाद टीम ने चारों वाहनों को जप्त कर चालकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। जिला खनिज अधिकारी अनिल कुमार



साहू ने बताया कि जिले में अवैध खनिज उखनन और परिवहन के खिलाफ विभागीय टीम लगातार जांच कर रही है। मंगलवार को जांच के दौरान अवैध रूप से रेत और गिट्टी का परिवहन करते चार वाहन पकड़े गए हैं। सभी मामलों में खनिज अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि बिना वैध दस्तावेज के खनिज परिवहन करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।



सामान्य सीट...दावेदार अनेक, 'चेहरा' अब भी तलाश में!

बैकुंठपुर की सामान्य सीट पर सियासी शतरंज, पुराने चेहरों से ज्यादा नए नामों पर नजर...

20 साल बाद सामान्य वर्ग के पुरुष दावेदारों के लिए खुला मौका, कांग्रेस-भाजपा में पुराने चेहरों के साथ नए नामों पर मंथन

कांग्रेस में बड़े चेहरों की दूरी, आशीष यादव-राजीव गुप्ता के नाम चर्चा में... भाजपा में प्रशांत गुप्ता, कमलेश शर्मा और अमित श्रीवास्तव पर नजर

वाई आरक्षण के बाद बदले स्थानीय समीकरण, टिकट के लिए अंदरूनी कवायद तेज... निर्दलीय मैदान में उतरने की चर्चाओं ने बढ़ाई बेचैनी

सामान्य मुक्त सीट ने खोल दिए दावेदारी के रास्ते, अब भाजपा-कांग्रेस के सामने चेहरे पर सहमति बनाने की चुनौती

20 साल बाद सामान्य सीट ने खोले सियासी दरवाजे, दावेदारों की कतार लंबी... लेकिन भाजपा-कांग्रेस को अब भी 'सर्वमान्य चेहरा' तलाश

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर, 30 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के आगामी चुनाव ने शहर की राजनीतिक फिजा को धीरे-धीरे गर्म करना शुरू कर दिया है, वाई आरक्षण की प्रक्रिया पूरी होने और अध्यक्ष पद के लिए सामान्य अनारक्षित मुक्त स्थिति सामने आने के बाद अब राजनीतिक दलों के भीतर संभावित चेहरों को लेकर मंथन तेज हो गया है, सामान्य सीट ने अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी का दायरा जरूर बढ़ा दिया है, लेकिन इसके साथ ही भाजपा और कांग्रेस दोनों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि आखिर ऐसा कौन-सा चेहरा मैदान में उतारा जाए, जिसे केवल पार्टी संगठन का समर्थन ही नहीं, बल्कि शहर के अलग-अलग वर्गों में भी व्यापक स्वीकार्यता मिल सके।

बैकुंठपुर की राजनीति में इस समय सबसे अधिक चर्चा दावेदारों की संख्या की नहीं, बल्कि 'सर्वमान्य चेहरे' की हो रही है, पुराने राजनीतिक चेहरों के साथ नए नाम भी सामने आ रहे हैं, कोई संगठन का समर्थन ही नहीं, बल्कि मजबूत करने में जुटा है तो कोई सामाजिक और व्यक्तिगत संपर्क को आधार बना रहा है। कुछ नामों को लेकर समर्थकों की सक्रियता दिखाई दे रही है, तो कुछ संभावित दावेदार अभी पार्टी के निर्णय का इंतजार करते नजर आ रहे हैं, हालांकि अभी किसी भी दल ने अध्यक्ष पद के प्रत्याशी की अधिकृत घोषणा नहीं की है। इसलिए सामने आ रहे नामों को फिलहाल स्थानीय राजनीतिक चर्चाओं और संभावित दावेदारियों के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

सामान्य सीट ने खोले दावेदारी के कई रास्ते—अध्यक्ष पद सामान्य अनारक्षित मुक्त होने के बाद इस बार किसी विशेष आश्रित वर्ग तक दावेदारी सीमित नहीं है, यही वजह है कि लंबे समय से स्थानीय राजनीति में सक्रिय सामान्य वर्ग के पुरुष नेताओं के लिए यह चुनाव खास महत्व रखता है, वहीं ओबीसी वर्ग से भी संभावित दावेदार अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं, सामान्य सीट होने से राजनीतिक दलों के सामने विकल्प बढ़े हैं, लेकिन विकल्प बढ़ना अपने आप में समाधान नहीं है, असली चुनौती यह है कि पार्टी किस नाम पर सहमति बनाएगी, नगर पालिका चुनाव

20 साल बाद सामान्य वर्ग के पुरुषों के लिए अवसर की चर्चा

बैकुंठपुर नगर पालिका अध्यक्ष पद के सामान्य अनारक्षित मुक्त होने के बाद सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि सामान्य वर्ग के पुरुष दावेदारों के लिए यह अवसर कितना महत्वपूर्ण है, स्थानीय जानकारों के बीच नगर पालिका आरक्षण के चक्र्रीय क्रम को लेकर यह चर्चा है कि इस बार सामान्य मुक्त सीट के बाद आगे अलग-अलग वर्गों के लिए आरक्षण का क्रम आएगा, इसी राजनीतिक गणना के आधार पर यह बात भी कही जा रही है कि ऐसी सामान्य मुक्त सीट दोबारा आने में लगभग 20 साल लग सकते हैं और अगला अवसर 2046 के आसपास बन सकता है, यह भविष्य की आरक्षण व्यवस्था को लेकर स्थानीय राजनीतिक गणना है, जिसे अभी अंतिम सरकारी स्थिति के रूप में नहीं देखा जा सकता। लेकिन इसी चर्चा ने वर्तमान चुनाव को सामान्य वर्ग के उन पुरुष नेताओं के लिए महत्वपूर्ण बना दिया है, जो लंबे समय से नगर की राजनीति में सक्रिय हैं और अध्यक्ष पद की दौड़ में उतरने की इच्छा रखते हैं, यानी इस बार की सामान्य सीट केवल एक चुनावी आरक्षण श्रेणी नहीं, बल्कि कई राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए एक बड़ा अवसर बनकर सामने आई है।

में प्रत्याशी का व्यक्तिगत जनसंपर्क, शहर के अलग-अलग हिस्सों में उसकी पहुंच, वाई स्तर की समस्याओं की समझ और संगठन के साथ तालमेल जैसे विषय सीधे चुनावी चर्चा का हिस्सा बनते हैं, यही वजह है कि इस बार टिकट चयन केवल पार्टी के भीतर किसी एक गुट की पसंद का विषय नहीं रह सकता, संभावित दावेदारों के समर्थक अपने-अपने स्तर पर माहौल बनाने में जुट सकते हैं, जबकि पार्टी नेतृत्व को सभी समीकरणों को संतुलित करना होगा।

कांग्रेस में बड़े चेहरों की दूरी से बदला समीकरण—विपक्षी कांग्रेस के सामने अध्यक्ष पद का चेहरा तय करने की चुनौती कम नहीं है, सामान्य वर्ग से आने वाले कई चर्चित नामों को लेकर चर्चा तो है, लेकिन सभी चेहरे चुनावी मैदान में उतरने की स्थिति में दिखाई नहीं दे रहे हैं, कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता सामान्य वर्ग के प्रमुख राजनीतिक चेहरों में शामिल हैं, लेकिन आपके द्वारा दी गई स्थानीय राजनीतिक जानकारी के अनुसार वे अपने पिछले राजनीतिक रिकॉर्ड के कारण फिलहाल चुनावी दौड़ से दूर बताए जा रहे हैं, इसी तरह अजय सिंह, बृजवासी तिवारी, आशीष डाबरे और दीपक गुप्ता जैसे सामान्य वर्ग के कई नाम राजनीतिक हलकों में जाने-पहचाने हैं, लेकिन फिलहाल इन्हें अध्यक्ष पद की टिकट दौड़ में सक्रिय दावेदार के रूप में नहीं देखा जा रहा है, इसका परिणाम यह है कि कांग्रेस के सामने सामान्य सीट होने के बावजूद संभावित चेहरों की तस्वीर उजनी सीधी नहीं है, पार्टी के पास नाम हैं, लेकिन उनमें से कौन वास्तव में चुनाव लड़ना चाहता है और किस नाम को संगठन स्वीकार करता है, यह अभी खुला सवाल है।

आशीष यादव 'लल्ला' की दावेदारी, राष्ट्रीय समीकरण सबसे बड़ी चुनौती—ओबीसी वर्ग से आने वाले आशीष यादव 'लल्ला' कांग्रेस के भीतर अध्यक्ष पद की दावेदारी को लेकर सक्रिय बताए जा रहे हैं, नगर पालिका के वर्तमान उपाध्यक्ष होने के कारण उनके पास नगर पालिका की राजनीति का प्रत्यक्ष अनुभव भी है और इसी आधार पर उनकी दावेदारी को स्थानीय राजनीतिक चर्चाओं में स्थान मिल रहा है, लेकिन उनके सामने चुनौती भी कम नहीं है। स्थानीय राजनीतिक चर्चाओं में कांग्रेस के भीतर राष्ट्रीय समीकरणों को उनकी दावेदारी के रास्ते में एक महत्वपूर्ण कारक माना जा रहा है। यह चर्चा भी है कि बड़े नेताओं का समर्थन उन्हें किस स्तर तक मिलता है, यह टिकट चयन में अहम भूमिका निभा सकता है, हालांकि यह केवल राजनीतिक चर्चा है और पार्टी के अधिकृत निर्णय के बिना किसी भी दावेदारी को अंतिम नहीं माना जा सकता, फिर भी यह स्पष्ट है कि

सामान्य मुक्त सीट ने आशीष यादव लल्ला जैसे ओबीसी वर्ग के दावेदार के लिए भी अध्यक्ष पद की दौड़ में बने रहने का रास्ता खुला रखा है।

राजीव गुप्ता के नाम की भी सुनाई देने लगी चर्चा—कांग्रेस के संभावित चेहरों के बीच राजीव गुप्ता के नाम की चर्चा अब सुनाई देने लगी है, सामान्य वर्ग से आने वाले राजीव गुप्ता का नाम सामने आने से कांग्रेस की संभावित दावेदारी के समीकरण और व्यापक हो गए हैं, फिलहाल उनके नाम को लेकर भी कोई आधिकारिक निर्णय सामने नहीं आया है, लेकिन सामान्य सीट के बाद नए चेहरों का सामने आना यह संकेत जरूर देता है कि कांग्रेस के भीतर अध्यक्ष पद के लिए विकल्पों पर विचार का दौर चल रहा है, राजीव गुप्ता के नाम की चर्चा के साथ कांग्रेस में यह सवाल भी महत्वपूर्ण होगा कि पार्टी पुराने राजनीतिक समीकरणों पर भरोसा करती है या नए चेहरे को मौका देकर अलग संदेश देने की कोशिश करती है।

आफताब अहमद की निर्दलीय राह की चर्चा—कांग्रेस से निष्कासन के बाद आफताब अहमद का नाम अध्यक्ष पद की चर्चा में अलग कारण से सामने आ रहा है, स्थानीय राजनीतिक चर्चा के अनुसार वे पार्टी से अलग होने के बाद निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरने की इच्छा रखते हैं, यदि वे निर्दलीय चुनाव लड़ते हैं तो कांग्रेस के लिए यह अलग तरह की राजनीतिक चुनौती बन सकती है, हालांकि अभी यह केवल संभावित होता, स्थानीय पहचान रखने वाला उम्मीदवार अपने व्यक्तिगत संपर्क के आधार पर अलग राजनीतिक आधार बनाने का प्रयास कर सकता है, इसलिए कांग्रेस के लिए टिकट वितरण के साथ-साथ संभावित असंतुष्टों को साथ रखने की रणनीति भी महत्वपूर्ण होगी।

भाजपा के सामने भी टिकट को लेकर असमंजस—सत्ताबद्ध भाजपा के सामने भी अध्यक्ष पद के टिकट को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है, सामान्य सीट होने के कारण भाजपा में भी कई नाम चर्चा में हैं और प्रत्येक नाम अपने-अपने राजनीतिक समीकरण के साथ सामने आ रहा है, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता का नाम संगठन में महत्वपूर्ण होने के बावजूद फिलहाल चुनावी मैदान से दूर बताया जा रहा है, इसके बाद सामान्य वर्ग से मनोज गुप्ता और शारदा गुप्ता के नाम टिकट की कोशिशों को लेकर चर्चा में हैं, हालांकि स्थानीय राजनीतिक चर्चाओं में इन नामों की स्वीकार्यता को लेकर अलग-अलग राय सामने आ रही है,

प्रशांत गुप्ता ने शुरू किया चुनावी अभियान

भाजपा के संभावित नए चेहरों में सीए प्रशांत गुप्ता का नाम तेजी से चर्चा में आया है, उपलब्ध जानकारी के अनुसार उन्होंने चुनावी गतिविधियां शुरू कर दी हैं, सामान्य सीट होने के बाद ऐसे नए चेहरों के लिए राजनीतिक अवसर बढ़े हैं। प्रशांत गुप्ता की सक्रियता को इसी राजनीतिक पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है, हालांकि चुनावी अभियान शुरू करना और पार्टी का आधिकारिक टिकट मिलना दो अलग-अलग बातें हैं, यही वजह है कि अभी भाजपा के भीतर संभावित दावेदारों के नामों को लेकर अंतिम तस्वीर का इंतजार करना होगा।

कमलेश शर्मा और अमित श्रीवास्तव भी संभावित चेहरे

प्रेस क्लब अध्यक्ष कमलेश शर्मा का नाम भी अध्यक्ष पद की संभावित दावेदारी में चर्चा में है, फिलहाल वे पार्टी के निर्णय का इंतजार कर रहे हैं, वहीं अमित श्रीवास्तव भी अपने लिए राजनीतिक संभावना तलाश रहे हैं, दोनों नामों के सामने आने से भाजपा में सामान्य वर्ग से संभावित दावेदारों का दायरा और बढ़ गया है, अब सवाल यह है कि पार्टी संगठन किस नाम को राजनीतिक रूप से अधिक उपयुक्त मानता है। चुनाव में व्यक्तिगत संपर्क, संगठनात्मक सक्रियता, सामाजिक समीकरण और पार्टी के भीतर स्वीकार्यता जैसे कई पहलू टिकट के समय चर्चा में आ सकते हैं।

किसी भी प्रत्याशी की वास्तविक स्वीकार्यता का निष्कर्ष व्यापक जनमत या सर्वेक्षण के बिना निकालना उचित नहीं होगा, भाजपा के सामने भी वही चुनौती है—किस चेहरे को टिकट दिया जाए और टिकट के बाद संगठन को किस तरह एकजुट रखा जाए।

ओबीसी से भानु पाल मैदान में, शैलेश शिवहरे ने बनाई दूरी—भाजपा की संभावित दावेदारी में ओबीसी वर्ग से शैलेश शिवहरे का नाम पहले चर्चा में रहा है, लेकिन उपलब्ध जानकारी के अनुसार वे काफी पहले ही नगर पालिका चुनाव लड़ने से मना कर चुके हैं, वहीं भानु पाल चुनावी मैदान में सक्रिय बताए जा रहे हैं, इसका मतलब यह है कि भाजपा के भीतर भी सामान्य वर्ग के साथ ओबीसी वर्ग से संभावित चेहरे को लेकर विकल्प मौजूद हैं, अंतिम फैसला संगठन के स्तर पर ही होगा, इसलिए वर्तमान समय में किसी भी नाम को टिकट का दावेदार मानना राजनीतिक चर्चा से आगे की बात होगी।

पुराने चेहरों के सामने जनसंपर्क की कसौटी—बैकुंठपुर के नगर पालिका चुनाव में पुराने राजनीतिक चेहरों की चर्चा के साथ उनके जनसंपर्क और जनता के बीच सक्रियता का मुद्दा भी उठ रहा है, नगर पालिका चुनाव की प्रकृति ही ऐसी है कि मतदाता का प्रत्याशी से सीधा संपर्क महत्वपूर्ण होता है, विधानसभा या लोकसभा चुनावों की तुलना में नगर पालिका के मुद्दे बेहद स्थानीय होते हैं, सड़क, नाली, सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, यातायात, विकास कार्य और वाई की छोटी-बड़ी समस्याएं सीधे मतदाता के सामने होती हैं, इसलिए राजनीतिक चर्चाओं में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि कौन-सा दावेदार नियमित रूप से जनता के बीच रहा और कौन केवल चुनाव के समय सक्रिय दिखाई देता है, लेकिन किसी नेता की स्वीकार्यता अथवा जनता से दूरी के बारे में अंतिम निष्कर्ष व्यापक सर्वेक्षण के बिना नहीं निकाला जा सकता।

वाई आरक्षण ने भी बदल दिए स्थानीय समीकरण—अध्यक्ष पद के साथ-साथ बैकुंठपुर नगर पालिका के 20 वार्डों का आरक्षण भी तय हो चुका है। इससे पार्षद पद के संभावित प्रत्याशियों के सामने स्थिति पहले से स्पष्ट हो गई है, किस वार्ड में सामान्य, ओबीसी, एससी, एसटी या महिला आरक्षण है, इसके आधार पर अब पार्टियों को वार्डवार उम्मीदवारों की रणनीति बनानी होगी, जिन नेताओं ने अपने पुराने वार्ड से चुनाव लड़ने की तैयारी की थी, नम से कुछ के लिए आरक्षण अनुकूल हो सकता है, जबकि कुछ को दूसरे

बैठकों और चर्चाएं आगे बढ़ेंगी, वैसे-वैसे कुछ नाम मजबूत चर्चा में आएंगे और कुछ नाम पीछे हटेंगे।

अब असली सवाल... दावेदार कितने नहीं, चेहरा कौन?—बैकुंठपुर नगर पालिका चुनाव में फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि अध्यक्ष पद के कितने दावेदार हैं, सवाल यह है कि भाजपा और कांग्रेस अंतिम दौर में किस चेहरे पर भरोसा जताती हैं, कांग्रेस के सामने प्रदीप गुप्ता, अजय सिंह, बृजवासी तिवारी, आशीष डाबरे और दीपक गुप्ता जैसे सामान्य वर्ग के बड़े नामों के चुनावी मैदान से दूर रहने की चर्चा है, आशीष यादव लल्ला ओबीसी वर्ग से दावेदारी कर रहे हैं, राजीव गुप्ता के नाम की चर्चा शुरू हुई है, वहीं कांग्रेस से निष्कासन के बाद आफताब अहमद के निर्दलीय मैदान में उतरने की संभावित चर्चा भी अलग राजनीतिक समीकरण बना सकती है, भाजपा में पंकज गुप्ता के चुनाव से दूर बताए जाने के बीच मनोज गुप्ता, शारदा गुप्ता, सीए प्रशांत गुप्ता, कमलेश शर्मा और अमित श्रीवास्तव जैसे नाम चर्चा में हैं, ओबीसी वर्ग से भानु पाल की सक्रियता बताई जा रही है, जबकि शैलेश शिवहरे पहले ही चुनाव से दूरी की बात कह चुके हैं, इन तमाम नामों के बीच अभी किसी को आधिकारिक प्रत्याशी मानना जल्दबाजी होगी, सामान्य सीट ने दावेदारों की कतार जरूर लंबी कर दी है, लेकिन टिकट की अंतिम दौड़ में कौन टिकेगा, यह आने वाले दिनों में साफ होगा, और यही बैकुंठपुर नगर पालिका चुनाव की सबसे दिलचस्प राजनीतिक तस्वीर है... एक सामान्य सीट, कई संभावित चेहरे, बदलते वाई समीकरण और दोनों प्रमुख दलों के सामने एक ही चुनौती—ऐसा चेहरा चुनावी जिसे संगठन के साथ शहर भी स्वीकार कर सके।

कांग्रेस—आशीष यादव 'लल्ला'। राजीव गुप्ता। प्रदीप गुप्ता। अजय सिंह। बृजवासी तिवारी। आशीष डाबरे। दीपक गुप्ता। आफताब अहमद (संभावित निर्दलीय)

भाजपा—प्रशांत गुप्ता। मनोज गुप्ता। शारदा गुप्ता। कमलेश शर्मा। अमित श्रीवास्तव। भानु पाल। शैलेश शिवहरे (चुनाव से दूरी की चर्चा)

सबसे अहम राजनीतिक सवाल—दावेदारों की लंबी सूची के बीच दोनों दलों के सामने चुनौती केवल टिकट देने की नहीं, बल्कि ऐसे चेहरे पर सहमति बनाने की है जिसके साथ संगठन और स्थानीय कार्यकर्ताओं को एकजुट किया जा सके।

बैकुंठपुर नगरपालिका अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों की की सूची

क्रम	वर्ग	संभावित दावेदार	वर्ग	वर्तमान स्थिति/चर्चा
1	कांग्रेस	आशीष यादव 'लल्ला'	ओबीसी	वर्तमान उपाध्यक्ष; अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी की चर्चा
2	कांग्रेस	राजीव गुप्ता	सामान्य	नाम की चर्चा हाल में सामने आई
3	कांग्रेस	प्रदीप गुप्ता	सामान्य	बड़े संगठनात्मक चेहरे, लेकिन चुनावी दौड़ से दूर बताए जा रहे
4	कांग्रेस	अजय सिंह	सामान्य	नाम चर्चा में, सक्रिय दावेदारी स्पष्ट नहीं
5	कांग्रेस	बृजवासी तिवारी	सामान्य	संभावित नामों में चर्चा
6	कांग्रेस	आशीष डाबरे	सामान्य	जंघे राजनीतिक अनुभव वाला नाम, टिकट की स्थिति स्पष्ट नहीं
7	कांग्रेस	दीपक गुप्ता	सामान्य	संभावित नामों में चर्चा, दावेदारी स्पष्ट नहीं
8	कांग्रेस	आफताब अहमद	—	कांग्रेस से निष्कासन के बाद निर्दलीय मैदान में उतरने की चर्चा
9	भाजपा	प्रशांत गुप्ता	सामान्य	सीए; चुनावी गतिविधियां शुरू करने की चर्चा
10	भाजपा	मनोज गुप्ता	सामान्य	टिकट के लिए प्रयासरत बताए जा रहे
11	भाजपा	शारदा गुप्ता	सामान्य	टिकट की कोशिशों की वैकल्पिक चर्चा
12	भाजपा	कमलेश शर्मा	सामान्य	प्रेस क्लब अध्यक्ष; फिलहाल पार्टी के निर्णय का इंतजार
13	भाजपा	अमित श्रीवास्तव	सामान्य	अध्यक्ष पद के लिए प्रयास की चर्चा
14	भाजपा	भानु पाल	ओबीसी	चुनावी मैदान में सक्रिय बताए जा रहे
15	भाजपा	शैलेश शिवहरे	ओबीसी	आपके अनुसार पहले ही चुनाव लड़ने से इनकार कर चुके

केवरी में बाहर से शराब पीकर आए 16 लोगों पर कार्रवाई, 45 हजार जुर्माना ग्राम सभा के निर्णय के बाद 1 सितंबर से पूर्ण शराबबंदी

—संवाददाता—
लखनपुर, 30 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड का ग्राम केवरी इन दिनों नशामुक्ति की पहल को लेकर चर्चा में है। गांव को नशामुक्त बनाने के लिए ग्राम सभा में शराब बनाने, बेचने और सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है।

निर्णय के बाद पंचायत स्तर पर कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। ग्राम सभा में 20 अगस्त को नशामुक्त गांव बनाने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद करीब पखवाड़ेभर तक ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। ग्रामीणों को शराब और अन्य नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। इसके बाद 1 सितंबर से गांव में पूर्ण शराबबंदी लागू कर दी गई। शराबबंदी के

बाद गांव में शराब पीकर आने वाले लोगों पर भी पंचायत ने कार्रवाई शुरू की है। अब तक बाहर से शराब पीकर गांव में आने वाले 16 लोगों पर कार्रवाई करते हुए पंचायत द्वारा कुल 45 हजार रुपए का आर्थिक जुर्माना वसूला गया है। पंचायत की इस कार्रवाई के बाद ग्रामीणों में भी नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ी है। ग्रामीणों के अनुसार, पूर्व में जागरूकता के

अभाव में गांव की बड़ी आबादी शराब और अन्य नशे का सेवन करती थी।

गांव में अवैध शराब के कारोबार की शिकायतें भी सामने आती थीं। इसके दुष्परिणाम से युवा और बच्चे भी नशे की ओर बढ़ रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि नशे के कारण गांव में आपराधिक गतिविधियों की स्थिति भी बन रही थी। इसी को देखते हुए सरपंच के नेतृत्व में

ग्रामीणों ने गांव को नशामुक्त बनाने की मुहिम शुरू की है। ग्रामीणों ने सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर ग्राम केवरी को नशामुक्त गांव घोषित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि शराबबंदी को प्रभावी बनाए रखने के लिए पंचायत और ग्रामीण मिलकर लगातार निगरानी करेंगे।







